खास-खबरें

मुख्यमंत्री ने भोज मंथन संस्था के प्रतिनिधियों के साथ पौध-रोपण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में भोज मंथन संस्था के प्रतिनिधियों के साथ बरगद, अमरूद और खिरनी के पौधे लगाए। सामाजिक सुधार के क्षेत्र में सक्रिय संस्था के सर्वश्री लीलाधर यादव, हेमराज यादव तथा सुश्री रिंकी और रीता यादव पौध-रोपण में सम्मिलित हुई। श्री चौहान के साथ मीडियाकर्मी गिरीश भटेले ने अपनी पुत्री कनिष्का का जन्म-दिवस पौध-रोपण कर मनाया। उनकी पत्नी श्रीमती आरती भटेले, भाई मनीष भटेले तथा उनके भतीजे हृदांक ने भी पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेटी कनिष्का को जन्म-दिन की शुभकामनाएँ दी।

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर नमन

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्र एवं धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले अदम्य शौर्य और साहस के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पुण्य-तिथि पर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री चौहान ने ट्वीट किया है मातृभूमि के लिए महाराणा प्रताप का त्याग और समर्पण सदैव वंदनीय और पूजनीय रहेगा।

राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम 27 को नीमच में

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय रोजगार दिवस 27 जनवरी को नीमच में होगा। प्रदेश के अन्य जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री हरदा, अशोकनगर, कटनी एवं निवाड़ी जिले हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद भी करेंगे। सचिव एमएसएमई पी. नरहरि ने बताया कि राज्य-स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम के प्रसारण को जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी दिखाने की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा की जायेगी। श्री नरहरि ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं कि विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं में बैंकों में लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण करवा कर अधिक से अधिक प्रकरणों में स्वीकृति/वितरण कराना सुनिश्चित किया जाए।

कृषकों को उर्वरक सुगमता से उपलब्ध कराने बनाएँ कार्ययोजना

भोपाल। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा है कि कृषकों को सुगमता से उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए वर्ष 2023-24 की कार्य-योजना अभी से तैयार करें। डॉ. भदौरिया ने शनिवार को बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। डॉ. भदौरिया ने कहा कि उर्वरकों के अग्रिम भण्डारण के लक्ष्य में वृद्धि कर शत-प्रतिशत भण्डारण के प्रयास किए जाए। खरीफ के लिए लक्ष्य 8.40 लाख मी.टन के स्थान पर 10.90 लाख मी.टन अग्रिम भण्डारण किया जाना प्रस्तावित किया गया। अग्रिम भण्डारण का समय एक मार्च के स्थान पर एक फरवरी से हो, जिससे लंबी अवधि के लिए सम्पूर्ण भण्डारण किया जा सके। विपणन संघ द्वारा सहकारिता क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्ध कुल मात्रा का 35 प्रतिशत उर्वरक का वर्तमान में नगद विक्रय किया जा रहा है, जिसे बढ़ा कर 50 प्रतिशत किया जायेगा। प्रमुख सचिव सहकारिता विवेक पोरवाल, आयुक्त सहकारिता आलोक कुमार सिंह और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अनियमित नियुक्ति-पदोन्नति देने के मामले में उपायुक्त सहकारिता पाटनकर निलंबित

भोपाल। उपायुक्त सहकारिता जिला सतना के. पाटनकर को अनियमित नियुक्ति एवं पदोन्नतियों के प्रस्तावों पर अनुमोदन देने के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। सहकारिता विभाग द्वारा जारी निलंबन आदेश में निलंबन के दौरान श्री पाटनकर का मुख्यालय कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ भोपाल होगा। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा है कि विभाग में अनियमिता करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। वर्तमान में सतना जिले में पदस्थ श्री पाटनकर ने पूर्व में छतरपुर जिले में पद-स्थापना के दौरान जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से संबद्ध 5 प्राथमिक साख सहकारी संस्थाओं में विक्रेताओं/सहायक समिति प्रबंधकों की अनियमित नियुक्तियों और पदोन्नतियों के प्रस्तावों पर अनुमोदन कर स्वीकृति दी थी। छतरपुर जिले की प्राथमिक साख सहकारी समिति मर्यादित पिपट बिजावर, गुलगंज, मउखेरा में सहायक प्रबंधक से प्रबंधक के पद पर पदोन्नति और वेतन आहरण की स्वीकृति दिये जाने में आयुक्त सहकारिता के वर्ष 2010 एवं 2011 में जारी निर्देशों का श्री पाटनकर द्वारा उल्लंघन किया गया था।

दिल्ली में गूंजेंगे प्रदेश के कवियों के स्वर

भोपाल। दिल्ली में राष्ट्रीय सिंधी कवि सम्मेलन 21 जनवरी को हो रहा है जिसमें मध्य प्रदेश से खीमन मूलानी, बल्लू चोइथानी और श्रीमती रश्मि रमानी हिस्सा लेंगे। शहीद हेमू कॉलोनी के जन्म शताब्दी के अवसर पर देशभक्ति पूर्ण काव्य रचनाएं प्रस्तुत की जाएंगी। शहीद हेमू कलानी के परिवार से की गई बातचीत पर आधारित प्रस्तुति अशोक मनवानी द्वारा दी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव से प्रदेश के सभी ...

विज्ञान, इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और आईटीआई को जोड़ा जाए

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भोपाल में हो रहे आठवें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का उपयोग प्रदेश के विद्यार्थियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में किया जाए।

महोत्सव से बड़ी संख्या में स्कूली तथा महाविद्यलायीन स्तर के विद्यार्थियों को जोड़ा जाए। वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने तथा विज्ञान के नये रूझानों की ओर युवाओं को आकर्षित करने में इस आयोजन से सहायता मिलेगी। प्रयास यह हो की विद्यार्थियों को इस आयोजन से प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त हो। महोत्सव में भारत के प्राचीन वैज्ञानिक योगदान और दृष्टिकोण को भी प्रस्तुत किया जाए।

श्री चौहान 21 जनवरी को मैनिट भोपाल में होने वाले आठवें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। समत्व भवन में हुई बैठक में प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री निकुंज श्रीवास्तव सहित केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान भारती संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग कर मध्यप्रदेश के युवाओं द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों का प्रचार किया जाए। महोत्सव में होने वाली विभिन्न गतिविधियों से प्रदेश के सभी विज्ञान महाविद्यायल, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई आदि को वर्चुअली जोड़ा जाए। महोत्सव में अद्वैत वेदांत को विज्ञान से संबद्ध करते हुए प्रस्तुत करें। युवा पीढ़ी को यह बताने की आवश्यकता है कि धर्म और विज्ञान एक दूसरे के विरोधी नहीं अपितु पूरक हैं।

जानकारी दी गई कि आठवां अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 21 से 24 जनवरी तक मेनिट भोपाल में किया जा रहा है। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा विज्ञान भारती द्वारा किये जा रहे इस कार्यक्रम का स्थानीय स्तर पर मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा समन्वय किया जा रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित कर आम जनता तक पहुँचाना और विज्ञान को उत्सव के रूप में मनाना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। मुख्यमंत्री श्री चौहान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे और केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितेन्द्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए स्कूली बच्चे भी महोत्सव में सम्मिलित होंगे।

कार्यक्रम के 15 प्रमुख घटक होंगे। इसमें भारतीय कारीगरों की प्रौद्योगिकी पर केंद्रित आर्टिसंस टेक्नोलॉजी विलेज-वोकल फॉर -लोकल, शोधकर्ताओं के बीच वैचारिक आदान-प्रदान के लिए फेस टू फेस विथ न्यू फ्रांटियर्स इन साइंस, गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स, इंटरनेशनल साइंस फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया, मेगा साइंस एंड टेक्नालॉजी एग्जीबिशन, नेशनल सोशल ऑर्गनाइजेशन एंड इंस्टीट्यूशंस मीट, न्यू एज टेक्नॉलॉजी शो, साइंस थ्रू गेम्स एंड ट्वाइज, स्टार्टअप कॉनक्लेव, स्टेट साइंस एंड टेक्नालॉजी कांउसिल्स कॉनक्लेव, स्टूडेंट इनोवेशन फेस्टिवल, स्टूडेन्ट्स साइंस विलेज, वैज्ञानिका-साइंस लिटरेचर फेस्टिवल, यंग साइंटिस्ट कॉन्फ्रेंस, मेंटरिंग एंड कॉउंसिलिंग साइंटिफिक डिस्कशन सम्मिलित हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विज्ञान महोत्सव में इसरो के चेयरमेन श्री एस. सोमनाथ, भारत बॉयोटेक के सीएमडी श्री कृष्णा एल्ला सहित कई वैज्ञानिक सम्मिलित होंगे। समारोह में मध्यप्रदेश पर्यटन, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, जनजातीय कल्याण, स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नगरीय विकास एवं आवास, खनिज, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, कृषि, वन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण तथा जल संसाधन विभाग द्वारा प्रदर्शिनी लगाई जाएगी। महोत्सव में 21 जनवरी की शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम में पार्श्व गायक श्री कैलाश खेर, 22 जनवरी को मध्यप्रदेश के कलाकार और 23 जनवरी को इंडियन ओशन रॉक बैंड प्रस्तुतियाँ देंगे। महोत्सव में विद्यार्थियों की प्रत्यक्ष सहभागिता की व्यवस्था रखी गई है।

कमलनाथ ने पूरी कांग्रेस ही बैठा दी : नरोत्तम

पलटवार में कांग्रेस सिंधिया की फोटो ले आई, कैप्शन दिया- टाइगर तब और अब

भोपाल (काप्र)।

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को करीब 10 महीने बचे हैं। ऐसे में सत्ताधारी बीजेपी और कांग्रेस एकतरफ तो जीत की रणनीति बनाने में जुटी है। तो वहीं दूसरी ओर एक-दूसरे की तैयारियों को लेकर दोनों ही पार्टी के नेताओं में जुबानी जंग भी छिड़ी हुई है।

राजधानी भोपाल में पीसीसी दफ्तर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस प्रकोष्ठ के अध्यक्षों के साथ बैठक की। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने बीजेपी की 5 फरवरी से शुरू होने वालीं विकास यात्रा को फ्रॉड यात्रा कहा। इधर कांग्रेस की बैठक पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ ने बैठकें कर पूरी कांग्रेस बैठा दी है। वहीं कांग्रेस ने बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सिंधिया को लास्ट लाइन में बैठाए जाने पर तंज कसा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने गुरुवार को कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों के साथ संगठन और प्रकोष्ठ के कामकाज की समीक्षा की। जिलों में पदाधिकारियों के कामकाज का भी रिव्यू किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में कमलनाथ ने कहा, मुझे मध्यप्रदेश के मतदाताओं पर पूरा भरोसा है कि वे सही फैसला करेंगे। बीजेपी की विकास यात्रा पर उन्होंने कहा कि बीजेपी को 18 साल का हिसाब देने के लिए यात्रा निकालनी चाहिए।

कमलनाथ ने कहा कि प्रशासन के बगैर इनका कार्यक्रम नहीं हो सकता। भीड़ प्रशासन की, पैसा प्रशासन का और यात्रा प्रशासन की। सबसे कहेंगे कि इतनी भीड़ लेकर आओ, इतनी बसें लेकर आओ, फिर मीडिया में दिखाएंगे कि इतनी पब्लिक थी, लेकिन ये सब जनता समझ चुकी है। कांग्रेस संगठन में बदलाव के सवाल पर उन्होंने कहा कि समय-समय पर हमारे संगठन में बदलाव होते हैं। हमारे हर स्तर पर संगठन के चुनाव हुए थे। हमारे सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में एक्टिव हैं। भोपाल में भीड़ जमा करने से कोई फायदा नहीं। कमलनाथ की बैठक पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने बैठकें कर पूरी कांग्रेस ही बैठा दी। इसीलिए मेरा मानना है कि अब कांग्रेस खड़े होने की स्थिति में नहीं है। खुद कमलनाथ कभी फील्ड में जाते नहीं हैं। महीने में एक प्रवास कोई कार्यकर्ता कर दे तो कर दे, अन्यथा बैठक ही बैठक है। चुनाव में ही कमलनाथ जी को जनता की याद आती है। वह चुनावी पर्यटन पर निकलने लगते हैं।

प्रदेश की जनता अब कांग्रेस के भ्रम जाल में नहीं आने वाली है, इसीलिए आप तय मानकर चलिए कि इनका कुछ होने वाला नहीं है। कमलनाथ 15 महीने योजना ही बनाते रहे। अब ये सिर्फ ट्वीट ही कर रहे हैं। इनके चक्कर में पूरी कांग्रेस घरों में बैठे-बैठे ट्वीट कर रही है। जनता की सेवा के लिए ट्विटर तक ही सीमित रहने से कांग्रेस की उपयोगिता समाप्त हो रही है। इधर इस जुबानी जंग के बीच कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की एक फोटो शेयर की है। ये फोटो दिल्ली में हुई बीजेपी कार्यकारिणी की बैठक की हैं। तस्वीर में सिंधिया सबसे लास्ट लाइन में बैठे नजर आ रहे है। साइड में एक और तस्वीर लगाई गई है, ये तस्वीर तब की भी, जब सिंधिया कांग्रेस में हुआ करते थे। केके मिश्रा ने इसे कैप्शन दिया- टाइगर तब और अब। उन्होंने लिखा- उसूलों पे जहां आंच आए टकराना जरूरी है, जिंदा हो तो फिर जिंदा नजर आना जरूरी है। ये शेर सिंधिया ने कांग्रेस छोड़ने से पहले अपनी एक स्पीच के दौरान पढ़ा था।

डॉ. राजीव एवं प्रो. आशा वर्मा सहोदरी रत्न से सम्मानित

भोपाल (काप्र)। विश्व हिंदी दिवस पर भाषा सहोदरी हिंदी न्यास के 9वें अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन, मॉरीशस में अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल के विभाग अध्यक्ष प्रो. राजीव वर्मा एवं डॉ. आशा वर्मा, प्रध्यापक डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी, भोपाल को सहोदरी रत्न से सम्मानित किया गया। यह अधिवेशन पोर्टलुईस के महात्मा गांधी सभागार में आयोजित किया गया। इसमें भारत के 22 राज्यों के सहित्यकारों एवं प्राध्यापकों ने भाग लिया। भाषा सहोदरी के संयोजक जयकांत मिश्रा ने बताया कि इस अधिवेशन में प्रो. राजीव वर्मा एवं डॉ. आशा वर्मा द्वारा शोध पत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वी सिंह एवं महात्मा गांधी न्यास के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

19 नगरीय निकायों में मतदान आज

भोपाल (काप्र)। राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने कहा है कि 20 जनवरी को 19 नगरीय निकायों में होने वाले मतदान की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

श्री सिंह ने मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान करने का आग्रह किया है। मतदान 20 जनवरी को सुबह 7 से अपरान्ह 5 बजे तक ईव्हीएम से होगा। मतगणना तथा निर्वाचन परिणामों को घोषणा 23 जनवरी को सुबह 9 बजे से की जाएगी। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह ने बताया है कि गुना जिले की नगर पालिका परिषद राघौगढ़-विजयपुर, बड़वानी जिले की बड़वानी, सेंधवा और धार जिले की धार, मनावर एवं पीथमपुर में निर्वाचन होगा। इसी तरह अनूपपुर जिले की नगर परिषद जैतहरी, खण्डवा जिले की ओंकारेश्वर, बड़वानी जिले की खेतिया, पानसेमल, पलसूद, राजपुर, अंजड़ और धार जिले की नगर परिषद धरमपुरी, धामनोद, कुक्षी, राजगढ़, सरदारपुर और डही में भी निर्वाचन होगा। इन नगरीय निकायों में 343 वार्ड और 720 मतदान केन्द्र हैं। कुल मतदाता 5 लाख 7 हजार 308 हैं। इनमें से पुरूष मतदाता 2 लाख 60 हजार 301, महिला मतदाता 2 लाख 46 हजार 969 और 38 अन्य मतदाता हैं। 20 जनवरी को होने वाले मतदान में कुल 1144 अभ्यर्थी पार्षद पद के लिए चुनाव मैदान में हैं।

दुर्लभ जीव-जन्तुओं पर दो दिवसीय कार्यशाला आज से

भोपाल। वनों और जलीय क्षेत्रों में पाए जाने वाले ऐसे दुर्लभ जीव-जन्तुओं पर शोध कार्य बहुत न्यून हुए हैं, ऐसी प्रजातियों पर गहन चर्चा करने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 20 व 21 जनवरी को दो दिवसीय कार्य-शाला होगी। शुभारंभ अपर मुख्य सचिव वन जेएन कंसोटिया 10 बजे एप्को सभागार में किया जाएगा। लेंसर लौन स्पीशीज ऑफ मप्र पर आधारित कार्यशाला मप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड , भोपाल वर्डस संस्था एवं मप्र टाइगर फाउंडेशन सोसायटी के सहयोग से एसएनएचसी इंडिया द्वारा की जा रही है।

व्यवहारिक रूप से तय की जाए बड़ी परियोजनाओं की समयसीमा : चौहान

भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि निर्माण विभाग अपने कार्यों की समय-सीमा, विभिन्न विभागों से मिलने वाली अनुमतियों, भू-अर्जन में लगने वाले समय तथा अन्य तकनीकी कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए व्यवहारिक रूप से निर्धारित करें।

साथ ही अंतर विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए विभागों द्वारा स्वयं पहल की जाए। निर्माण कार्यों में गतिरोध से राज्य की प्रगति प्रभावित होती है। श्री चौहान प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेमवर्क के अंतर्गत परियोजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव जल संसाधन एसएन मिश्रा, प्रमुख सचिव लोक निर्माण नीरज मंडलोई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सागर जिले की बंडा तहसील में बेवस नदी पर पगरा बांध तथा पंचम नगर बैराज, धार जिले में राजौंदा मल्टी विलेज वॉटर सप्लाई स्कीम में 79 गांवों के लिए जलापूर्ति योजना, मध्यप्रदेश अर्बन डव्लेपमेंट कंपनी लिमिटेड अंतर्गत बैतूल जिले की आमला, बैतूल बाजार और सारणी जल प्रदाय योजना तथा भिंड जिले की आलमपुर, दबोह, मिहोना, फुफकलां जल प्रदाय योजना तथा भोपाल के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर मार्ग (कोलार रोड) के उन्नयन तथा पुनर्निर्माण के लिए जारी गतिविधियों की समीक्षा की गई। श्री चौहान ने स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं का त्वरित निदान कर, निर्माण कार्यों को गति देते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस सप्ताह का प्रादर्श बना है -परा

भोपाल। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के नवीन श्रृंखला सप्ताह का प्रादर्श के अंतर्गत आज जनवरी माह के तृतीय सप्ताह के प्रादर्श के रूप में परा-समृद्धि के प्रतीक के रूप में उपयोग किया जाने वाला मापक को पालघाट केरल के लोक समुदाय से संग्रहालय द्वारा सन, 1988 में संकलित किया गया है। इस प्रादर्श को इस सप्ताह दर्शकों के मध्य प्रदर्शित किया गया।

इस सम्बन्ध में संग्रहालय के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने

बताया कि पर्रा या परा एक मापक पात्र है जो परंपरागत रूप से फसल कटाई के पश्चात धान मापने के लिए उपयोग किया जाता रहा है। केरल के कृषि जीवन से जुड़ा हुआ परा आधुनिक मापन प्रणालियों के आगमन तक कई घरों में उपयोग किया जाता था। परंपरागत रूप से, ग्राम वासियों द्वारा अच्छी फसल आने के बाद मंदिर उत्सव के लिए स्थानीय मंदिरों को एक या एक से अधिक परा धान/चावल अर्पित किया जाता है। त्यौहारों के दौरान निकलने वाली शोभायात्रा के स्वागत के लिए हिंदू घरों को अक्सर धान और अन्य सामग्रियों से भरे परा से सजाया जाता है।

हरदा को मिलेगा प्रथम श्रेणी कबीर कोहिनूर अवार्ड

भोपाल। कला, संगीत, संस्कृति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में समूचे देश में उत्कृष्ट कार्य करने पर जिले की सांगीतिक दंपत्ती सुमित शर्मा एवं मिशा शर्मा को कबीर कोहीनूर सम्मान 2023 से अलंकृत किया जा रहा है। लिस्ट में इन कलाकारों को प्रथम श्रेणी में रखा गया है।देश में यह सम्मान चयनित 100 असाधारण शख्शियतों को प्रदान किया जाएगा।जिसमें हरदा के कलाकारों का नाम भी शामिल हैं।इस कार्यक्रम का आयोजन 5 फरवरी को डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सेंटर न्यू दिल्ली में होगा। जहां पर देश विदेश की महान हस्तियां इस आयोजन में शामिल होंगी।यह सम्मान समारोह संत कबीर आश्रम बड़ी खाटू, सनातन धर्म ट्रस्ट भारत, संत कबीरनगर उत्तर प्रदेश संत कबीर समाधी मगहर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

यह पुरस्कार भारत भूषण संत नानकदास जी महाराज के हाथों प्रदान किया जाएगा । कार्यक्रम में देश के अनेक प्रबुद्ध जन शामिल हो रहे हैं। हरदा जिला विगत वर्षों से नित नई ख्याति अर्जित कर रहा है।

खास खबर मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना में चलेंगी 20 ट्रेन...

दो माह में 20 हजार तीर्थ यात्री विभिन्न धार्मिक स्थलों का करेंगे दर्शन

भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में मार्च 2023 तक 20 हजार श्रद्धालु तीर्थ-यात्रा कर दर्शन कर सकेंगे। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने बताया है कि 21 जनवरी से 29 मार्च के बीच 20 ट्रेन से मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के पात्र श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे।

योजना में पहली ट्रेन डॉ. अम्बेडकर नगर महू से 21 जनवरी को रामेश्वरम धाम के लिये रवाना होगी। इसमें इंदौर जिले के 398, बड़वानी के 250 और शाजापुर के 325 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। यह ट्रेन 26 जनवरी को लौटेगी। दूसरी ट्रेन रीवा से द्वारका के लिये 24 जनवरी को रवाना होकर 29 जनवरी वापस आएगी। इसमें रीवा के 273, पन्ना के 200 और सतना एवं नरसिंहपुर के 250-250 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। तीसरी ट्रेन बुरहानपुर से रामेश्वरम के लिये 27 जनवरी को रवाना होकर 1 फरवरी को लौटेगी। इसमें बुरहानपुर के 348, हरदा के 300 और बैतूल के 325 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। चौथी ट्रेन अनुपपुर से कामाख्या जी के लिये 30 जनवरी को रवाना होगी और 4 फरवरी को वापस आएगी। इसमें उमरिया से 300, अनुपपुर से 323 और शहडोल के 350 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। पाँचवी ट्रेन छतरपुर से शिर्डी के लिये 2 फरवरी को रवाना होगी और 5 फरवरी को लौटेगी। इसमें विदिशा के 300, टीकमगढ़ के 325 और छतरपुर के 348 श्रद्धालु दर्शन के लिये जाएंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में 6 फरवरी को छटवीं ट्रेन एक बार फिर डॉ. अम्बेडकर नगर से जगन्नाथ पुरी लिये रवाना होगी और 11 फरवरी को लौटेगी। इसमें धार के 200, सीहोर के 375 और इंदौर के 398 श्रद्धालु यात्रा करेंगे। सातवीं ट्रेन 8 फरवरी को रेलवे स्टेशन सरईग्राम से जगन्नाथ पुरी के लिये कटनी के 225, सिंगरौली के 248, सीधी और दमोह के 250-250 और श्रद्धालु को लेकर रवाना होगी और 13 फरवरी को लौटेगी। आठवीं ट्रेन बैतूल से अयोध्या के लिये 11 फरवरी को रवाना होगी और 14 फरवरी को लौटेगी। इसमें बैतूल के 298, नर्मदापुरम के 325 और भोपाल 350 यात्री दर्शन के लिये जायेंगे। नौवीं ट्रेन बालाघाट से काशी (वाराणसी) के लिये 14 फरवरी को रवाना होगी। इसमें मण्डला के 200, बालाघाट के 223, सिवनी के 250 और जबलपुर के 300 यात्री दर्शन कर 17 फरवरी को लौटेंगे। दसवीं ट्रेन 16 फरवरी को भिण्ड से जगन्नाथपुरी के लिये जाएगी। इसमें भिण्ड के 298, दतिया के 325 और ग्वालियर के 350 श्रद्धालु दर्शन कर 21 फरवरी को लौटेंगे। ग्यारहवीं ट्रेन 19 फरवरी को डॉ. अम्बेडकर नगर महू से 19 फरवरी को काशी (वाराणसी) के लिये रवाना होगी। इसमें बड़वानी के 200, सीहोर के 375 और इंदौर के 398 श्रद्धालु यात्रा कर 22 फरवरी को लौटेंगे। बारहवीं ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन भोपाल से 23 फरवरी को राजगढ़ से 223, आगर-मालवा के 200, शाजापुर के 250 और भोपाल के 300 श्रद्धालुओं को जगन्नाथपुरी के दर्शन करा कर 28 फरवरी को लौटेगी। तेरहवीं ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन भोपाल के रामेश्वरम् के लिये 25 फरवरी को रवाना होगी।

इसमें मुरैना के 298, दतिया के 325 और भोपाल के 350 श्रद्धालु 2 मार्च को यात्रा कर वापस लौटेंगे। चौदहवीं ट्रेन खंडवा से 28 फरवरी को अयोध्या के लिये रवाना होगी। इसमें खंडवा के 298, खरगौन के 200, हरदा के 225, सीहोर के 250 श्रद्धालु 3 मार्च को यात्रा करके वापस लौटेंगे। पंद्रहवीं ट्रेन सरईग्राम से द्वारका के लिये 13 मार्च को रवाना होगी। सिंगरौली के 248, सीधी के 250, कटनी के 225 और जबलपुर के 250 श्रद्धालु यात्रा कर 18 मार्च को लौटेंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में 16 मार्च को सोलहवीं ट्रेन खंडवा से कामाख्या के लिये रवाना होगी। इसमें खण्डवा के 323, रायसेन के 300 और भोपाल के 350 श्रद्धालु दर्शन कर 21 मार्च को लौटेंगे। सत्रहवीं ट्रेन शिवपुरी से 21 मार्च को काशी (वाराणसी) के लिये रवाना होगी। इसमें शिवपुरी के 348, गुना के 325 और अशोकनगर 300 श्रद्धालु दर्शन कर 24 मार्च को लौटेंगे। अठारहवीं ट्रेन छतरपुर से द्वारका जी के लिये 24 मार्च को रवाना होगी। इमें छतरपुर के 323, टीकमगढ़ के 300 और विदिशा के 350 श्रद्धालु दर्शन कर 29 मार्च को लौटेंगे। उन्नसवीं ट्रेन नीमच से 25 मार्च को रामेश्वरम् के लिये रवाना होगी। इसमें नीमच के 348, रतलाम के 375 और झाबुआ के 250 श्रद्धालु दर्शन कर 30 मार्च को लौटेंगे। बीसवीं ट्रेन 29 मार्च को जगन्नाथपुरी के लिये रवाना होगी। इसमें शिवपुरी के 248, गुना के 225, शाजापुर और आगर-मालवा के 250-250 श्रद्धालु दर्शन कर 3 अप्रैल 2023 को लौटेंगे।